

DPN 6356

Title : पूजाविधि PŪJĀ VIDHI

Run. No. 7047

Cat. No. 7

Micro. No.

Subject Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. / New. / Maith. / New. / New. / Nep. /

Size in cms. 17.3 X 8

Folios 11

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

डा. कमल प्रकाश मल्ल

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Dr. Kamala Prakash

Script : New. / Dev. / Bhuji. / Ran. /

Illus. :

Malla

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

□ ॐ अग्रादि ॥ अर्द्धे जजमानस्य नाम पुत्रे गर्भाधार निमित्ते तेषां श्री सूर्याय पूज्य भाजन
समर्पयामि ॥ इताय दहू सोने ॥

P. T. O.

तत सर्वविधि परिपूर्णा नमस्तु ॥

श्रुतेते भक्तिमोचाया वि(धि) नुर शुभ कल्याणा शुभं ॥ ॥
x x x

जजमानस्य पुत्रसे वा पौत्रस्य वा फलान (फल अन्न) प्राप्तन : कदशाचन
(कदशाचन) पूजा नितित्यर्थः ॥

15

10

5

0

CMS

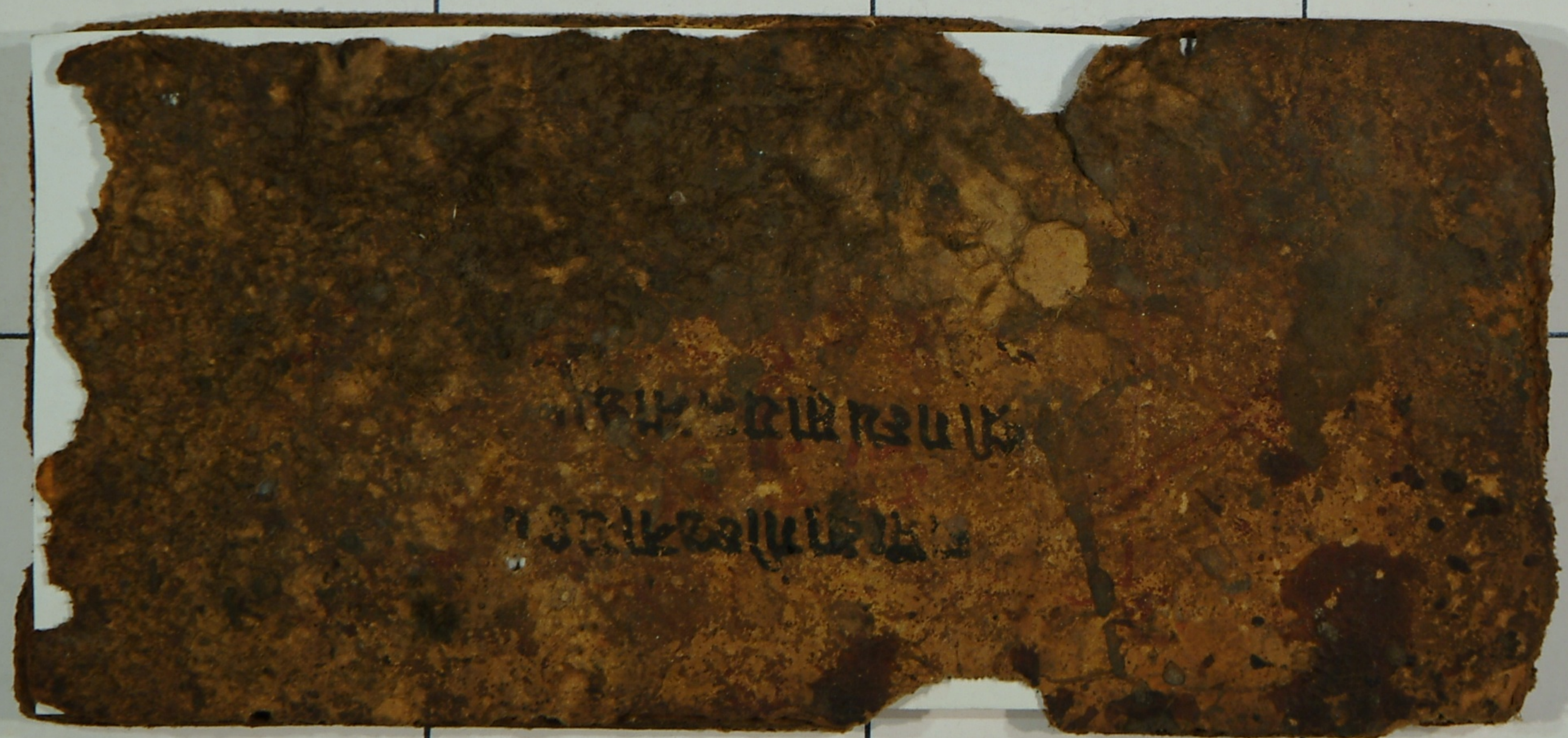
5

10

15

20

25





ॐ पृथ्वीगर्भादिना

ॐ नमो भगवते ॥ अर्द्धज्जमानस्य नामैमिर्मि न थं ग्रा
 सुयाय पृथ्वी लोके नमः पयामिदं ॥ ॐ नायदत्त सा
 न ॥ ॐ नमो भगवते सायनमोः गनान् गतपनिभे वगद
 ज्जक्रिन्ता रतं ॥ अलिप्य ताथ सिद्धिनि पूजयन् गच्छ स
 लं ॥ ॥ सगंधो स न ॥ ॐ नमः दधि सूवनं ति त्यं रं द
 समुत्तुं हवः ता ना विधि समश्चकः ॐ मुत्तुं हुन सुत्तुं ॥

5

10

15

0

CMS

5

10

15

20

25

ओलाद्वयकंसो न॥ ॥ॐ नमः परमेश्वर वंदानिहं विमूढ
 र्थ नमंगलं प्रद॥ ॥ आत्मा विम्या कीर्तं दृष्टुं सम्यदायज
 याय च॥ ॥ कालासु काल सायाज सुर्ज सो न॥ ॥ॐ
 नमः श्री गुरुभ्यो नमः॥ जवाकू समस्त काग कास
 ययमादि निःस्त्री ना कालं सर्व कार्यं मां प्र नमो ह
 स्मिदि वा क न॥ ॥ ओलाद्वयकंसिंधवमस्य न॥ ॥ॐ

नमः सिद्धं त्रिलोकं कंदविनामालि मदिनं ॥ सर्वसा
लागि गिर्धं धिं धुनं पुनि नमः ॥ ॥ पुजा ललज पः ना
दाय पूजा ॥ ॥ उजल सना नः सदा क्री नः सर्व सिद्धि प्र
दाय कः सर्व गीर्धं कर्तुं नि नू ॥ ॥ उजल पुनि गृह नौ ध
धल कस्ती ॥ ॥ उधुनं यम धुके मि ॥ गिस लालि म
नूतं सर्व जा त्रि वि नि मु की म हा वा ग म प्र मु च न ॥ ॥

साद्दू ॥ ॥ प्रयदधिकृतसना न सर्वसागदा कर्म
वपापहर्तृनितप्रयदधियाभर्तृ ॥ ॥ जलसना न
धुपधन ॥ ॥ नानासर्गधर्तृपार्तृनकी संनान
वृक्षयत् ॥ विधिसिद्धिप्रदा नृन्नायवृधिसखप्रद ॥
रंदन ॥ ॥ श्रीषद रंदनः दिव्यगंधद सुमनाह
न ॥ आद्या नदवदवसगृहनीन ॥ ॥ सिधुन ॥ ॥

ॐ विप्रसा नमाहा विलं विनल स्मदित् विनंते
लोकक्रयुद वि सिधुल पुनिगृहनीन ॥ ॥ ऊर्जका ॥ ॥
जज्ञापि नृन्नायवृधिसखयत् ॥ सर्वदाख सर्वक
सं मनवी छा रुत प्रद ॥ ॥ स्त्री छा यकनन ॥ ॥ नम
श्रीसूर्या नम ॥ ॥ जवाक सम संका संका ग्गप यंम
साधुनि नमोति सर्वपापघ्न पुनमा मिदिवा कर्तनम

सुते ॥ नेविद ॥ उंसिर्द्धा नविविद्ध लाऊ प्रातदपूषी
वंधनं हृदया नचकालि च नमर्यतु पुं निगृह्णती ॥
रुलरुला ॥ उना ना रुलपक्क उप नती म्पू नाना
रुसमाह कां लग्न दासुखप्रदं ॥ ॥ दिप ॥ उकास
वकिह वंदिपू धुन पूरुसि समुजालं रुसुखा ना
रुनं द वं गृह्णती दिपनासन ॥ धनज पना सुदक्का

काय १२ निसलाय १२ दवयान् गीष समाद् दनयाडा
दाशालखानयाडा विय ॥ उयहिसूर्य सहग्राम न
नासिजगत्सम नृत्र नृक पाहि नाहग का प्रनै मा मि
दिर्क ॥ प्राधनायाय सकस्यनं कनने ॥ उआमज सुस
ननं गायमसु निनं वपूडा दिपोत्र कलवृषिक आ
उमहं निनामसु सनि न सुस पूषि न स्या प्रसन

दविः ह ज न म मा ऊ कौ न त्रु स गे ध पू र्व धू प
दि पा व न वि छे न न स र्व वि वि प त्रि पू न न म स्तु
त्यं सौ का का य सि ध नि य हा ऊ न या य श ल स
ह ॥ :: ॥ — ॐ धा पिं खा य स गे धी मा ह नि का का य
छ य सौ का य ॥ ॥ :: ॥ —

आ प ह स वा ऊ कौ न क स गे वि य ॥ ॐ न मा स र्व म ग
ल मा ग ल्य गी व स र्वी प सा ध क ग न न द वि क र्म
वि ना नी य नि न म स्तु तं ॥ ॥

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25



वातयाऽल्लाय ॥ ॐ नमः सर्वतः पिपलामस्तु सर्वं ॥
 श्रीशालुआशामकामवस्तुधाः नवकुलिनस्तु सना
 नवृद्धिमन्त्रावांकासिद्धिस्तु ॥ पूजाहलनैःसगुन
 लाय ॥ ॐ सिधार्थदधियावकचः सगुनैःसपूज्य
 द्यापमं ल्ययः संपत्तिकात्रकैः सजयित्रीसर्वार्थसि
 धिप्रदं ॥ हलियाः जन्दनतिर्क ॥ ॐ जन्दनपूजास

प्रययामि ॥ सिंधुजिनतिर्क ॥ ॐ सिंधुलंपूजास
 पयामि ॥ सगंधजित्तुर्क ॥ ॐ उमायपूजासम
 पयामि ॥ कितन ॥ ॐ अरुतः अरुथाकामैः धर्म
 कामार्थसिद्धिर्दः पूजासप्रययामि ॥ सिद्धनय्य
 ॥ ॐ श्रीरुलायसमप्रयामिनमः ॥ ॐ आतिरूपं
 मिर्ददवीः सर्वसर्गकडिवर्क ॥ नायहल ॥ ॐ पुनी

मन्त्रविग्रह

वः सर्वथा धकः ॥ नमो देवीकः ॥ ओमीनाजीयनी
नमोस्तुते ॥ धूनिधूनका ॥ ॐ वा दूयातका ॥ ॐ ॥ श्रीगं
कायक ॥ कापीः ॥ लाः ॥ दधूनाः ॥ श्रीगुनाः ॥ वायाः ॥ का
नानकधूनका ॥ ॐ कलखस ॥ ॐ नक ॥ ॐ नथनीली
वातया ॥ ॐ यतननकधूनका ॥ ॐ वपूयः ॥ यासायाय
कः ॥ निद्रयातः ॥ माकसिजवियः ॥ धूनिधूनका ॥ ॐ प्रा

हिनयूजायायनिष्कप्रियूषनः दक्षिणाविक
 क्रानि ग्वत्रक्ष्वाक्षुलखहाय ॥ ३ ॥ उपपित्त
 लसनानं समुपयामी ॥ ४ ॥ उचदनं समुपयामी ॥ ५ ॥ हिं
 नं समुपयामी ॥ ६ ॥ उक्ष्मापित्तं समुपयामी ॥ ७ ॥ अक्रुतं
 समुपयामी ॥ ८ ॥ यथाप्रधदकीना समुपयामी ॥ ९ ॥ कुलम
 हंसं पुदय ॥ १० ॥ अत्रिधूनकाः ॥ ११ ॥ कलसया लीखन ऊक

मानयानकसयालखश्रुतिविद्य ॥ उज्जमान
स्यःश्रुतिस्तखमस्तु ॥ चितःखानःविद्यःसगुनध
लितितक ॥ दकिनाविद्य ॥ धूलिगाहलिमावाया
विज्ञनशुलकल्यासशुह ॥ ॥

रक्षापाःपूजाहउज्जमान ॥ अद्यवावाहाकायःश्रु
दवाक्काय उज्जमानस्यपूजस्तवापीतुस्यवाह

मानयासनःकनभवनपूजानिमित्तार्थःपूषालाज
नैर्हकय्यामि ॥ द्रायांसासखिनवधित्वापनिध
यलसायपासासनसायखदि कृत्याश्रसनतुयज
कि कृतम्भ्रासनदजा नः नुयदलसर्गधर्ज
लाद्रयकैसिधमूकापलांसका लसायधपैन
यायनतैकाकनयजाप्राहितनूजमानपू

जाया च धूलि न काण्डा द्रापी वां द्यापि दने
 नया डालू सिध न क दी १२ काचिके वा पाति
 या न विये गी ना क पूया पि न ह या डा सूर्ज च स्य
 या डा के न ने १२॥ कि स लि द्या य का पे नि स
 रु क रु क माल का पू जा या या ॥ द्रा पी ध नि स ला
 रु १२ द डा या न द्या य म न घा न १२ द द्रा दी १२ स प

स न या डा न्द्र धी विय द धि ना नि स ला विय स्या क
 का य स के या न विय वा धा के य द व या न १२ धा
 सि न क थं थं स क ल सि ध ल न नि क वा धा न या पि
 ग व ल स ग न विय वा चि पी थिय क के ल ख स उ म य ध
 स क ल लो ज न पा क रु ल स रु थू लि न वि धि रु ल स रु धू म
 द्रा पी न्द्र धी का य पू जा रु ल स क ल या य पू जा का य रु ल स